

ASHA ARCHIVES 3623

२ उँ नमः श्रीवज्रसूक्तम् ॥ सुय्याधिः गुप्ताया ताद्य ॥ यजुज्जातन
 जयवक ॥ गुप्तामंडलः तस्य वसि ॥ सुय्याधिः गुप्ताया ताद्य ॥ यजुज्जातन
 मंडलः तिसमादि ॥ जायः धृयः कनयासः गनैः स यहाक
 नः श्रीसुद्धीः यजुयजुनीः नागयः नायका कयः
 नीमिः कडात बाडातः साहमाः साहसाः साहसाः नृदिः
 यनयजा ॥ यनयजाया दावः यनयकनन ॥ यनयसा

साहधनयाय ॥ ॥ उँ नमः ॥ यिक्कु विथान ॥ सखल
 खनहाय ॥ उँ रूखलह ॥ वचविहि ॥ उँ मदनिकजिरव
 वज्रवधह ॥ वजनधीय ॥ उँ वज्रसल मयिकससधनः म
 उ ॥ ॥ उँ ममहाकसादिव्याः यविता वदुदवताः
 वदुधर्मसधनताः यथादी जाननगहीः जजमानस्यः स
 विविश्यायुलाख्यधं कवेक सुसि साहा ॥ ॥ वाक्यजा ॥

ॐ ह्रस्वसुजाधिययस्वाहा ॥ ॐ अजगजाधिययस्वाहा ॥
ॐ उमाययगाधिययतयः ॐ नैमतिनाडसाधिययतयः ॐ
सुनायनागधिययतयः ॐ वायुवयवनधिययतयः ॐ कुवन
यजजाधिययतयः ॐ ऋणानोयरुताधिययतययस्वाहा ॥
यजा ॥ ॐ सुत्रयतिचैवः अगितज्जारि यारवः उमाव
ताधिययचैव नैत्यतिनाडसाधिय नागधियावनयागना

वायुयवनाधिययतयः कुवनसायजाधिययचैव ॐ नसानाधि
यनमामुत ॥ अतगधयय ॥ ॥ गताकागसधन ॥ ॐ उज
मानस्यः ॐ गतागससयाककामाथ ॐ वदोवायागुसव
गदरुजिनसुता दवताति सुमेतासाता कल्यानचित्ताः स
कसजमयसिताटाननजोधनावे यजा गृहगुसातिवि
दधगुयजगदगतागतज ॥ ॥ धनसिमेयागचावक

॥ तु ता मि ता ण न या य ॥

मि के नु हं र ग सा हा ॥

का न न बं ज ना ॥ ३ ॥

न जं य म मा स वः

वः यी न व ले

व व न डा ण मा

सा ट नः

॥ १ ॥ स र्व या य वि धि मा ना न रः

॥ ख नि वा के ॥ ॥ ध म ना ॥ ॥

॥ त न क लि ता ॥ ॥

॥ यि म धा र्य का ल

॥ नु न न का ला र

॥ वा म ड ड क म नू ध न स

॥ अ ह्य वि नं त्रि न

नः उ ता म क नः ध ति नः श्री कृ ण स स्त्रा न कृ त् मा ति नः स म

या इ णि वि रा य ॥ ३ ॥ उ हि ही म हा र नः वि धि ज स क स ग

ही ला ह मिः म हा न सि स नि दि ता र व सा हा ॥ ३ ॥

न न कि ना ज म डा ॥ ॥ गे न नि ना ज नः स ता व गु द्याः

आ क थ न ॥ ३ ॥ अ गि थ आ दि द्या दि य वि वा वि र व म हाः

प्रि यः ह व क वे वा ह ना य ६ ॥ अ ज ह व हाः स म य मि ती

॥ ॥ संखलखन ॥ वज्र नदिगाना ॥ ॥ अग्नियय
वत्तसस्का नाद्यं वगीचस्काहा ॥ अचमने ॥ ॥ ३ अचम
युवत्तसस्का नाययाद्यं वगीचस्काहा ॥ आचमनमने ॥
३ अचमयुवत्तसस्का नाययाद्यं वगीचस्काहा ॥ आचमन
मने ॥ ॥ ३ वज्र नदिगाना ॥ सुगंधजनेन साययने ॥ ॥
॥ तीननसमयाग्निपुर्वे ॥ ॥ ३ अजिरवर्क ॥ वव

गया ॥ ॥ ३ सर्वगगनकायविलखनस्काहा ॥
यचगवना ॥ गगवय्ययासा ॥ ३ वसवनायस्काहा ॥ ३ अ
दिदेवनास्काहा ॥ दिवेजानायस्काहा ॥ ३ वज्रिदेववगाय
स्काहा ॥ ३ अनयाकायस्काहा ॥ पूजा मने ॥ तदसवीजनी
यागं वेसवने ॥ महाजलवेस्कावतमं हवदे सबसंयुगी
दायक ॥ ॥ गय ॥ ॥ गगवृगसधन ॥ ३ श्रीस्काहा ॥ ॥

उजमानको खच के॥ इंसुर्षयाय दहनवजायः सव्याय
दहसाहा॥ इंसुर्षयाय दहनवजायः सव्याय
साहा॥ ॥ गंगा॥ इंसुर्षयाय दहनवजायः सव्याय
मुकुवजविसावे जाहत्यानवनवजीमूयगीसव्याय
इतिदद्यात्॥ ॥ उग्रगिर्यसाहा॥ घृते॥ इंसुर्षयाय
साहा॥ अकपसि॥ उवजसमायहसाहा॥ यत्तासि॥

इंसुर्षयाय साहा॥ खदिसि॥ इंसुर्षयाय साहा
अयामासि॥ इंसुर्षयाय साहा॥ उतगसि॥ इंसुर्षयायः
यत्तायसाहा॥ इति॥ इंसुर्षयाय साहा॥ सनिकथ
उवादिवजायसाहा॥ वेनग॥ इंसुर्षयाय साहा॥ यी
नग॥ इंसुर्षयाय साहा॥ वन॥ इंसुर्षयाय साहा
मधूनसि॥ इंसुर्षयाय पुसमनायसाहा॥ वेककसि॥

ॐ सह कात्राय स्वाहा ॥ अ व सि ॥ ॐ कज कद वाय स्वाहा ॥
क न व सि ॥ ॐ व ज रि सा गि काय स्वाहा ॥ मद क ० ॥ ॐ
गि अ ना कु स ग मि द ॥ ग ता कू स वी छा दि हा ग वे ॥ ॐ अः
यु ति हा ग वे जाय स्वाहा ॥ कू स ॥ ॐ व जाय व स्वाहा ॥ दु वी
ॐ सर्व याय द रु न वे जाय स व याय द रु स्वाहा ॥ ति ना ना ॥
ॐ व ज यू थ य स्वाहा ॥ अ थ ग ॥ ॐ व ज वे ग य स्वाहा ॥ ग ॥

ॐ व ज द्र स म रा या स्वाहा ॥ मा धा ॥ ॐ व ज वि आ य स्वा
हा ॥ स्वा न धा ॥ ॐ वी आ रु वा य स्वा ॥ दू वा ॥ ॐ व ज म हा
व रा य स्वाहा ॥ मा स ॥ ॐ व ज मा हा क ना य स्वाहा ॥ स्वा
ग ॥ ॐ व ज क ला न व स्वाहा ॥ क गु लि ॥ ॐ व र क म रा य
स्वाहा ॥ क न थ ॥ ॐ व ज म ग रा य स्वाहा ॥ मू क ॥ ॐ व ज
रु न म स्वाहा ॥ रु गी ॥ ॐ व ज स वी वि आ रु वा य स्वाहा

आदि । १८ वज्र त्राजाय स्वाहा ॥ गाय ॥ वज्र सवाधसि
धय ६ स्वाहा ॥ युको वनका ॥ १९ सर्व सवयय स्वाहा
दानजा धलिजा ॥ २० शदसद साय स्वाहा ॥ कासि ॥ सुनाय
गस्र धना ॥ २१ उन्नखा तीग हात वे ॥ वज्र सस्र ज्ञा दाय स्वाहा
धय रुद्र ॥ २२ धवा दन ॥ धृगद मि ॥ साती वाक ॥
२३ मयदि यदि वा विस्त्रविम महाः शीय ह वै कवव

ह नाय ॥ २४ नयु य अमुकस्य अमुक दवगा आनाद
लाय सा ती वा नि कृत् ॥ २५ गिस्र वज्र २ यध माह मि सु
ता २ म रुद्र स्वाहा ॥ ॥ देव महा पूजा ॥ ना स्या रुद्र
रुद्र ती अक्षुष ना रुद्र ती ॥ जाय धूय धान ॥ ॥ गगा वज्र
अचमना दीक कृत्वा या का रुत ज्ञान विस्त्रवे ॥ हाता
का ना लम्भ न स्य ऊदि कमना च दास ना यति मन्त्र लाद

यती विजयनियनचिह्नयतिनामनमदनाधियमिसु
स्वामंदप्रयविराव॥साहद्विषमयूषास्नानाकसंज्ञा
नसहचवजाकसातिनानीययत्तगोटगासगीवाह
नसहजागित्वात्रमिवःसमलसितनविराव॥
अकथनदधन्यासधुनियवयत्ताहुत॥
जयनविहीदाय॥युगेदगी॥सुमेरुका॥६॥गीज्ञानाह

गी॥७॥गंगादेवगवयुताकासयन॥देवयाभ्रग
सःवलीक्षयागविय॥॥जायवृष॥३॥नमःश्रीवि
जसत्ताय॥गंगादेवानियसुदसिमगीयनयसुथः
जागानभावनयनामकुशकसनभवचावगादेवसः
मावगवानिगुहानिकम्पनिः॥गुगेदसकियाजागमः॥नी
दसनायिगद्यथा॥॥धनजाय॥॥सर्वसर्वनरु

या ॥ **र**खनु ना हाय ईद ट ख ह ॥ ॥ **थ**न **ध** य या य
॥ उ र ग व स ह विद्या न ज न मो मु ने ॥ क रु मि च्छा म ह न
थ ध म उ ल क न न म क ॥ सि स्या न म न क म्मा य य क्का क क्क
ना य च ॥ ग भ र क स्य र ग व क यु सा द क रु म ह सि सि म
न द न नु मा व द्वा ॥ अ ग र्वा दि श म सि गा ॥ व ज स ख ह ॥
मा रा र्थ दे व गो व स्य त्या म्मा ह दि ज र ग न म हा ज्ञान

य ती गा क रु म ह थ ॥ ॥ **ध**न **द** व या क्क व ज न थिय ॥
ग थ ग गा य स र्वा व न स र्वा व मि द ज ग ता न थ ग ता नी
स र्वा व नी स र्वा व मि द ज ग रु ॥ अ न या ग म थ या व मु सु धि
क न न ॥ ॥ नि ना ज म न र्ग गा त वा स ग व न य ज्ञा मु मि
॥ उं उं ल मा न स्या उ म न्ग गा य स र्वा ह ॥ ॥ नू नी जी

सिद्धिधनविधि॥ ॥ **ध्यातिव** सूत्रा नाकयायति
याग सिद्धनाचान धूययाय॥ उरुगवत्सद्वजविद्या
नाज नभामुतः कुरुमिच्छाम्यहनाथमंडलकत्रुनामः
कसिख्यानानामनुकयाययूथ्याकैयूजनायचरुसरक
स्यरुगचुसादकुरुमहथः समलहनकुरुमावद्धा अंस

खादिहसं **सिं**गा वज्रसत्त्वहमाचार्यदवगाकृत्य
याग्रह वैज्ररुगमहाज्ञानयुक्तिगाकुरुमहथ॥ ॥
थनदवया हृदयमंत्रः रूजवगससायाव॥ इमक
सत्तनय॥ कजनधीय॥ ॥ उवजवीजमाकखयद्रुज
उवजवीजमंडलगाययह॥ उदवगावीजमंडलव

रुयव ॥ ॐ देवता वीरु गायय ॥ यज्ञा ॥ धनसुतीव
कनः अथ यामालाम कनव यास यान प्रय ॥ ॥
धन ॐ सानस साद गुरु वज चिद्र कलसन सना
नयायः ॥ यरु गवनस यन ॥ यसत्वन चवत धम्मस
क भविजिः मुडाग नसदिगः विपश्यकस्य वेत्तावन

एरुवदः खविना सुकस्यः गमंगरुवदं नु गय
लमाति धेक ॥ ॥ धनसंखलेखनहाय ॥ ॐ सर्व
संरु नियद ॥ ॥ धन गायु वरु हहन ये ॥ ॐ वाक्षी
गदुजकवगा लंकास यल्लयवी गाय साहा ॥ धन ॥
वजान धिय पुवजसुवद ॥ धन अद्रुति ॥ ॐ रुतथ

मन्य गृहे २ इदं न साहा ॥ दे जा दुनि ॥ ॥
धननाद जाया विधि ॥ ॥ जाय धूय निजाऊ म
गरु गसवा आकथन वाद्यादि यथ्या सयूजा
दूती ॥ धन धूय्या कनसनसना : यवगधन प्रय
न ॥ जर्मगत कनिसयानि सवजनाग श्रीवजनागवत

साधू ससमिगन अज्ञा ल्यप्रजसुगतस्य महासु
खस कर्मफलरुवदुगेद्यवनातिथिक ॥ धन वरुण
यास ॥ खिजर्वरुसुहं गिकायादि धान ॥ ३ आहु
वन गायन हास यधमा ॥ धननादजा ताजान गाय
स्वगिकाक ॥ हाययव मे वद्यसर्वसयूत खाअता अस

समविर्तलसलसा ज्ञाय नानी ददामि पुत्रमंयनाः
ॐ गीद्विगीय जीमन्तु विधि ॥ ॥ गंगाजागक्रम
माहा ॥ खदस ॥ अद्यविय ॥ अक्रोडनी लहीलीहालः
सयुध्यनाग नायुद्धममनीगास जिखादि संख्या नाजा
कसूरगीतव्यखी नाचरी सुयतिपूने स अद्ययाग

इंजीयवलससूनाय श्रीमत् श्री ३ अमृतदेवता
रगनाकाल अद्ययुगीचखाहा ॥ ॥ धनयीतवतदाह
त्रय ॥ इंजीतवनायखाहा ॥ धनदिगीदन ॥ ॥ धनः
चितकात्रहाथवजा ॥ ॥ इं चक्षर समतचक्षविसव
नखाहा ॥ ॥ धनमनकन ॥ इं चक्षरह ॥ धनः कस

कनन ॥ ॐ ज्ञानचक्र षट् ॥ वज्रना ॥ ॐ वृक्षचक्र षट् ॥ ॥
थन सुवर्ण सुनाकनमि सुता ॥ ॥ ॐ ज्ञानयगसंत
सुवर्णनामं जिने ववासाका वेद्यना ॥ ॐ यथाग
सुगमिल ॥ ॥ ॐ गीतिविद्याविधि ॥ ॥ **थन** वाचनी
आहनय ॥ ॥ ॐ वाचं गजकवताल का नाय साहा ॥ थन ॥

थमनालि सुदन ॥ सुगीवाकेदि ॥ ॥ **थन** वायुवेयाकलस
नसनानयाय ॥ नसाकेचकननलेयन ॥ नयखानचिद्र ॥ ॥
मेगीयनाथवसवादि सले यकिनिर्जयड यिहानः विष्णु
हसले निष्पद्यारवगीमिलरुः ॥ जनायहासं नर्मगल रं
वक्रुगेयलमारिथक ॥ ॥ **थन** मय म्मासहहनय ॥ ॐ वज्र

पूगती वासुकी च स्वाहा ॥ ॥ धन शुचि वययाय ॥ ॥
नडव लवन सहित सयुज खया म्यह ॥ ॥ धन सिधुजा
नायाय ॥ ॥ इंदव सगुल्य कुरु सिधुन यगी च स्वाहा ॥ ॥
धन आदुगी विय ॥ ॥ इंदु रा गय स्वाहा ॥ ॥ यजा नृति ॥ ॥
०० गीजा न कर्म विधि ॥ ॥ नगनाम कसन विधि ॥ ॥

खट्ट दिससि पु नू विज ना नाममाताः पुह ल कलस म हा
निच सनवु नामा नृज धृन कू सि सा गु विन्य स विव मृद्धिः
विहि न ह द य म गी ज य म गी न प्रन ॥ ॥ निजाज मरु
ना प्रवा ॥ ॥ यजा नृति ॥ ॥ धन दडिनया कनस सनान
रुसे निहिया प्रयन ॥ ॥ चिन नल ॥ ॥ उर्म गल म निरु न स्यजन

पुंरु न सुकृन्नाचवमहाससुसमिती के न श्रीनल्लसः
रवजिनस्यनिष्ठाविरुह्यनमंगनरुवकुते यत्तमाः
रिषक ॥ ॥ दाकिचाय ॥ वलगतमासाद्याय ॥ युवादेव
॥ मन्त्र्याग ॥ ॥ आयक ॥ दिधायस ॥ वसिवा ॥ नेयद्य
॥ ॥ अक्रुखन ॥ युज्यास ॥ युजायेती ॥ ॥ धनद्व

याद्वदयस् वजनविर्णय ॥ ॥ ई अमूक वजरुवरनसा
हा ॥ ॥ वजनकुद ॥ ॥ धन श्रीखदुचगनगिरिके उं तीनः
करुखनसाहा ॥ ॥ धनकसि लोययके ॥ ॥ ईद्वगमधूया
सनसाहा ॥ ॥ धननामद्वय ॥ ॥ ॥ ई अमूक वजगथागतनामः
जागरुवस्व ॥ ॥ ॥ धने आद्व निविय ॥ ॥ ॥ ईवा ० वास्य

स्वाहा॥ यज्ञा गृही॥ गृही नाम कवन विधि॥ ॥ धन जन
कुविधि यादह॥ जाय धव नित्राण मन्त्र नत्रचा॥
यज्ञा लास्या मृति॥ ॥ धनः जैन येया कन सन स
नान॥ यंच वकन न सयनः॥ अक सचिद्र॥ ॥ जम
गल कृत्ति सम ग्रान् वजनी हू हू चक्रायदा प्रवल रा

खयुगल गल लाक सल सल सुग नल म हा सुखल
गमन सल वरु न यन मोरि स्थक॥ ॥ धन स्वान माः
लाच्य॥ ॥ य स म सुखय सुनली ग वी ला स न मि जे न
मा मि॥ जइ व हा हि ५ य गी च स्वाहा॥ धन देव स दः
वग दह स य॥ ॥ ॐ दिव वा स स स्वाहा॥ धनः सिय

गीनीसः नासिका लय हर तीरु लय कान गया व दव
पाके गाय ॥ उं स मादिद न सर्व ग थ ग ग जिन यू क्यी
न न खा हा ॥ धन खान माना द्याय ॥ माल ती माद वीजा
नि मी डाल चयु का दी रि ॐ व्या दिय थ संयु न आहन य
थ मा सिक ॥ धन यलिल द दहन यय ॥ उं वरु का स स्य सा

हा ॥ धन कन करु न न द द न य ॥ उं सर्वा ल का ल रु ख
न खा हा ॥ ॥ धन लम न चंद न चि न न नि च के ॥ उं ती ल
व वि लु ख न खा हा ॥ ॥ धन जन क रु जा ख न द न या य ॥
स ख लं ख हा य ॥ उं ख ड नी य द न खा हा ॥ ॥ हो जा न
गाय ॥ ख ती वा क ॥ धन हो य य के उं न म स म स व

ई वादिसत्वानीं उवाच उवाच ददखाहा ॥ ई वाद्यमाः
नसमाधिपूगवीननखाहा ॥ ॥ धनव्ययग्यसह
हनय ॥ ई वरुयूगगीवाययुगीचखाहा ॥ ॥ धनकथ
खहनयाय ॥ ई सर्वकथागतकायविस्रधनेखाहा ॥ ॥
नगवगहनय ॥ ई नक्रामनायखाहा ॥ ॥ चनामदि

वा वाहनय ॥ ने वाद्यसर्वसंयुक्तखा अतो असमानवर्गलः
सुनसा ॥ अविगानीददामियत्तमयना ॥ ॥ धनजजमानः
नकगानक ॥ ई महासुखवज्जुद्रवहा समयस्त्रीसमय
मह ॥ ॥ धनजजमानन खानमाला ठनकगय ॥ ई म
हासुखमहानाजसिवसर्वजगत्यगीसर्वसत्तमनाव्याधि

सर्वसत्त्वदुर्गादिनः सर्वसत्त्वयोगाच्चैव कामागुसमया
शिनाः यनष्टैव नमनाथ कामाला यलियनय धम्म ॥
कृत्तदिगोनाग समयसन नादयि कृत्तया सर्वसत्त्वानां कृत्त
धम्मसिद्धिय ॥ ॥ धनश्रद्धादुर्गाविय ॥ ॥ इत्थं याचयगुः
इत्थं इत्थं इत्थं ॥ ॥ यज्ञादुर्गा ॥ ॥ इत्थं इत्थं इत्थं ॥ ॥

नगोपायकलनमाह ॥ ॥ जाय ध्य निनाउ मगरु
गाल वा श्रयाय यज्ञादुर्गा ॥ धन सुखानन सखाय
इत्थं सर्ववकी सुविस्वधनि सर्वज्ञानावा लान कृत्तय
इत्थं इत्थं ॥ ॥ धन सुमूनन इत्थं इत्थं ॥ ॥ इत्थं धम्मसि
ध या कयन सखाह ॥ ॥ धन कृत्तन गीखलन न

लावग थाय ॥ ईं आः इ सा हा ॥ ॥ धन सु च न नी च
 क ॥ ईं सु व वृ नी स व वि रू ख न सा हा ॥ ॥ धन मू नी म
 नान का था य क ॥ ईं मू का र न न रू ख न सा हा ॥ ॥ धन
 म कू न न वृ य क ॥ ईं स र्व वृ द्ध चू ण म नी म हा म हा म व
 ट्यु नी च सा हा ॥ ईं क र्ण धा ने स सि रू रि षि च द्ध ॥

व डि ऊ रि षि च र्ण ॥ ध र्म व डि ऊ रि षि च डी ॥ ईं क र्म वः
 डि ऊ रि षि च ऊ ॥ य्जा मृ ति ॥ ॥ धन उ ल ल या व
 ल स ल नः स नान या यः यं चा य दिः वि स्र व ण चि द्ध ॥ र्ण
 क र्ण य ऊ व ल य ऊ स व ड या नि स मृ सि ना च स हि न स्य मा
 ध मि धिः य म ग ल हि न क र्ण व न म वि र्ण न म र्ण र व वृ ण



यत्तमातिषेक ॥ धन आदौ गीवी ॥ ईं संतवन्तय गुरु २
हृदय स्वाहा ॥ ॐ गीचलाकसन विद्धि ॥ ॥ गीतावगादेः
स ॥ आकट्यनादि ॥ यथं भास ॥ ॥ ईं रावेना समयसर
स्नानसत्तः ॥ कसात्रिक सिद्धयेतु ॥ ॥ वजन थिय ॥ ॥
इ वजन वध ॥ मित्रक सिद्धव थियक ॥ ॐ उग सर्ववधा

ना स्नाननंजमगमं ज्ञरावयच धर्मव सिद्धराव युकीः
गीता सत्ता थदि क्रियासत्त कर वयं सदा रता येन
येनादिता थय वद्वत्तसमुया गत ॥ धन नन विय ॥ जका
॥ ईं वजधर्मदी ॥ ॥ धन सिवना विय ॥ सतीयाके ॥
धन देशात्रेन शाय यारावन थका शाय ॥ यूजा रुती ॥ ॥

धन यश्चिमया कलसन सनानयाय प्रयन यंचामुगः
त्रकयममसिद्ध ॥ यदुजनास्यवनमालसु गीगनृयायः
लुखधूयवनिदीयः विचित्रगं (वे) यज्जानिनेयुगिसमवित्त
मंयुगीने तंमंगतंरवकृते यत्रमारिथेक ॥ धन प्रदंवीय
॥ इत्यनास्यगृह २ हंरुठ खारु ॥ यज्जामुगि ॥ ॥ ॐ गी

यतादसविद्धि ॥ ॥ गीसमावरुमारु ॥ ॥ देसात्रनगंन
सिगंठरुयाया खरावनकुरुवसु अ यंचदुदुदहनय
॥ गमथ ॥ वाधिसलारुवा सर्ववद्वामि धुजागतामगावादि
सलामहासल खड्ग सिथ्याचउ सिननिखरावनीलार्थवः
सर्वसलाथकात्रनीगथगासमगाइन वादि सिन ॐ गी

य॥ ॐ नमो गारुडनखाहा ॥ धनसमस्त शारुलनदहन
 य॥ ॐ सर्वरुलनरुख जसहा ॥ धनसि धुनचयसिनिः
 कके ॥ धनचाकदलिनी मौलिकीनीन यायके ॥ ॐ नमो
 सर्वविद्यानां नै धातुकनमकुनै यथाके यजनथाय मः
 कूठयचकुलाहव ॥ ॐ वडावीवह ॥ ॥ धनसगवः

उक्तान् कृष्याय क॥ ॐ श्रु श्रु श्रु सखल दागी सगनूर्याः
 उनगं मिमालाविनीस्कं धर्मं धर्मं धर्मं ॥ ॥ धनं धनं
 निदेवन याय क॥ ॐ सर्ववृद्ध बुद्धामनि महामकृद्वः
 मिद्वस्वाहा ॥ ॐ कजा वीषाणि गरुडशरं हस्वाहा ॥ ॥ धनं
 सागृदि नगाय ॥ ॐ महा माहा समनस्मिन् यशस्वाहा ॥

धनश्चापस्व धनयाया ॥ शुभचसकयावः यचगयनसनन
याया। मंगलसगभन ॥ मृज नचय रुसासकयाव ॥ दिगस
गाय दवयाकेगाय ॥ नृयगाभगतीमृडा हूनसाकय
राकसिगृहिलायानी नायानिवृद्धकस्ययुकीकिता ॥ धन
रुमिदवहासा रुदि लखरासदुद ॥ धयाव उगि

मंडलदायक ॥ ॥ यस्यस्य धनक ॥ हिनीलाऊन मन
रु गात्रचा स्वयन सरसुय ॥ धनथाय थायसकया ॥ ॥
नृगीयानिगुहनविधि ॥ ॥ धनरायमसव उऊऊ
गवनायचाव ऊऊकागिविय ॥ गऊरुदरुटसाहा ॥ ॥
यासथियक ॥ यासविसजन ॥ ॥ यिथाकदन ॥ धनकडा

नचय ॥ ॥ धनदि क्राविय मंडुससदगय दौया सरावन
३ ओखीबीतह ॥ धनमंडुयुज नाया दौया सरावन ॥ ॥ ३
सर्वत थागत युजा यस्म नाया सामनि यीतयामि ॥ ३ सर्वत
गतवजसला धितित स्वमी ॥ ३ वजवेचनदितित स्वमी
॥ ३ वजवलाहितिविचमा ॥ ३ वज धर्मयुवतयमी ॥ ३ व

वजकर्मकनुधुमी ॥ ॥ धनजिवचासयाय ॥ यानी
यनीतायाय ॥ ॥ धनसूतकान हिदावाजाय ॥ ॥
३ इजीवजिरवहृद गितहृद ॥ १०८ ॥ ३ सूयनीसिः
तवजि स्वाहा ॥ ॥ धनखानमातावाय ॥ सतिविक ॥
धन देवयाहृदसवजनधिसुतय ॥ ॥ ३ यनीतस्वसत्य ॥ ॥

धनयं चारिषक दथ्या कससनसनानयाय ॥ ॥ प्रयन
श्री खड ॥ ॥ वादि वडेन वद्वानं यथा दन ममामरुः ममादी
नाननायं आय खसवडादि दडाहिमः वद्वानमरिषक
मु उगता नायवजीनाः ॥ कसाय थादत न थादतुधुम
साहिः उमं गलं हि न कसयनमं वविनं यथान्विकिः

याकवनमार्य उसाहिषीकं कृष्ण उगमरगवान मूनी
सावसिह नमं गलं रवदुते यलमारिषक ॥ ॥ :
यवगंधनप्रयन ॥ ॥ मकटनथायक ॥ ॥ सर्वद्वच
शमनिमहामकटं युगीरुमाहा ॥ ॥ अरिषकं महावजं न
वाककं नमस्कृतं यथाकं युजनाथाय मकटं यंचक सा

रव॥ ॥ धनवजारिषक॥ अद्यारिषिकलामसिः
वृषवजारिषकटः ॥ रुद्रगंडुसर्ववृद्धलगुद्रवज
सुसिद्धय॥ ॥ धनघ्नारिषक॥ ॥ वजारियगील
मरिचागीकवजसमयस्यवजघ्न० अ॥ ॥ नग
नामारिषक॥ ॥ अ॥ अ॥ कवजतथागतनमजागठर

॥ गीयवारिषक॥ ॥ नगआचार्यारिषक॥ ॥ इंसु
यगीगीगवजसाहा॥ ॥ धनगुद्रारिषकः ॥ इंगी
इह॥ साहा॥ वजनयिय॥ ॥ धनयुद्धाहानरि
षक॥ ॥ इंसुवतथागतवजसरावामकाह॥ ॥
धनवजनाथारिषक॥ ॥ मूलमूलनचक्रसमूहीव

असत्तः स्वद्विदुः अकिन्नालातः सर्वविद्यवैशाच
नादिगन्धगन्धवद्भुवैश्वनदायनयुविस्तीक्ष्णय
न॥ इंसर्वासना नृवत्तनमहासुखमयगुणगोक्ष
नामयरावयत् ॥ ॥ धन आचार्ययुवत् ॥ ॥
आकाशसादचिद्रादनदिति धनयनः महावज्रम

यसत्तः अत्रोद्यः वजाद्यसिद्धम॥ सर्वात्मामहासि
द्धिमाहस्युद्दिदवतः सर्ववज्रध्यानासासिद्धमेयत्त
माअत्तः निद्राखनासास्यगन्धसिद्धमयगुणगोक्ष
नत्वनसिद्धमेयगवानमहानागा॥ महानग॥ अत्युः
गुदधमोग्नादिमृतीसुधागन्धसमस्तुत्तुसर्वमाः ॥

वादि सत्वायुसिद्धि मे ॥ सत्त्वो रू मा म हा सिद्धि मे ह स्वर्ण
दि द व ना ॥ सिद्धि व ज म हा क खा व ज ग र ता व न म म
सर्व सत्त्व म ना जा ग सत्त्व सत्त्व हा ॥ दि सि नः सर्व सत्त्व यि
ना चित कामा ग स म य वि नाः थ न स रान स रू नाः पु
रु या या म म ड ३ न न स रू न म न थ कामा ला य सि य न

य ॥ ॥ थ न क स क न के न्य ॥ यु ति वि द स मा ध र्मा ज्ञ
का गु द्वा ह ना वि ना अ ग्र हि नृ नृ ग ना या च ह नृ क र्माः
स मू र त ॥ ग थ ना क त्व नि जा ना रू ती रू न म ड ल यु तीः
वि मू र ट जि थ्याः सर्व य स्य मि क म र्वा ॥ ॥ रू ती रू थ्याः
वा य्या व र स ॥ ॥ थ न य स म हा न य ज्ञा ॥ ॥ थ न थि न

हास यायाति हा थ यजा ॥ गता विस्व कर्मा स्वगी कसि
त्वा ॥ वरं ययजा ॥ गता विस्व कर्मा न्यत्य हता घनम ॥ ३
शीखरु रं दनं नम ॥ जह्नु वविरु कव्य नम ॥ गावाल
दडिना सम ययाम्यह ॥ ॥ गता ॥ विस्व कर्मा नम गता
सु गेना वरु गिका नक नाना यय वचना योचनम गे विस्व

कर्म कर्म न भूत गं रव्य धूय दी य ने वद्या नू स ववि
रि यलिय ने न नु गे ॥ ॥ धन यय सूरु का काय दाव
गाथा यय यय ॥ ॥ गता दवा यय सूरु दवा वसि नाया मू गी
दवा वाः ये त्या क धूजा वा या सा दा वा लय ना वा गं ध क ता
चुतं वाः यय वाः अन यय युती माती न कय कय सना य

य ॥ ॥ ॐ नि देवता युष्मद्वि द्वि ॥ ॥ धन दि
गवलि द्विय का धवलिः मरुवलि द्वियः धन युष्मद्वि द्वि
कः युष्मदायः धनमात्रसा दसा वलि कायः धन खानक गा
नः धन पुत्रपुत्राः दक्ष कायः कृमा पुनः शैसिंखा ॥ ॥
कनकाकास्य शगनगस्य गयः धन कृमापनयायः श

मिषाः धन कृददावः यात्रनयायः ॥ धनिधूनकाव
॥ ॥ ॥ हर्ता रागियाय विद्या न सजा गाथाः थायनाया
दकि नाया ददयः कं धन गिरुसहः शुत्रमधुन दगुनि
कनपुत्राः कुरु न्यासः या न न्यासः ऊरु थायनायाय ॥ यध
माद्रुतिः गीत कि नित्रायनः मधुन ह्य नाद्रुति ॥ ॥

आङ्गि विद्य २
 धनमागका ॥ वलिविद्य ॥ गीत यद्वायनि ॥ स्वस्ति वाक्या
 दं ॥ ॐ स्वस्ति मागका वल्यवन गङ्गा २ स्वस्ति यद्वायनि ॥ स्वस्ति
 धनः वलिडा निवः यनिसमयविद्यः वलिकुप्य ॥ धर्म
 नियनिः पुनर्मधुवदनकः लाक्या न वलिः विसजनया
 चकः धनदा कथनवः स्वस्ति कथयः स्वस्ति कथयन ॥
 वा

नक्षत्र लंखनदाय ॥ ॐ स्वस्ति ग्राहदं रूद्र साका ॥ यं वसुधा
 नहिता ॥ आययाय ॥ धनजायलाननक चक ॥ धूपयाय
 ॐ यं वसुधा निदवी आना धताय रुगव विद्या ॥ स्वस्ति वाय
 ॥ ॐ स्वस्ति वृषा ॥ ॐ जकि निय ॥ ॐ लामायद्वाय ॥ ॐ स्वस्ति
 साह ॥ ॐ त्रिपिनियद्वा ॥ पूजाः सु ॥ ॐ जकि निव गथाः

नामा स्वर्गुपादाचत्रयिनि ॥ नमस्ययुद्धादिसम्मानः सवसि
द्वियुदायका ॥ धनगित्रकायकत्रकाय ॥ नमस्ययुद्धाचत्रनद्रका
य ॥ वलिपिय ॥ धनगुलवद्रकाय ॥ मूरयस ॥ यंचनलनय ॥ १४
ॐ नमो भगवते गणपतये ॥ ध्यान ॥ ॐ नमो भगवते विधिना कुर्या
नमस्तुते सिद्धि साधय ॥ लवना नमस्तुते ध्यात्वा स्थापय नमस्तुते

मध्वधन ॥ ॐ नमो भगवते गणपतये ॥ ध्यान ॥ ॐ नमो भगवते विधिना कुर्या
नमस्तुते सिद्धि साधय ॥ लवना नमस्तुते ध्यात्वा स्थापय नमस्तुते
॥ यज्ञा मुनि ॥ ॐ नमो भगवते गणपतये ॥ ध्यान ॥ ॐ नमो भगवते विधिना कुर्या
नमस्तुते सिद्धि साधय ॥ लवना नमस्तुते ध्यात्वा स्थापय नमस्तुते
यितामनि कन ॥ १५ ॥ धननिष्ठासदिज्ञा गिरयानि
दगनविय दक्षिणगयक ॥ धनदिगवल्लि ॥ काधवल्लि ॥
कूरकलावल्लि ॥ सिधलभाहनिदिनकः गियमात्रका गिरयक

कथन ॥ धनमात्रज्ञाय ॥ धनमुक्तमयं वागात्तयः कथुय
कात्तय ॥ यंच धनमात्रज्ञाय ॥ मध्याकात्रयः यष्टे गंधर्वाख
दक्षिण ॥ हि ॥ यष्टि ॥ इह ॥ उक्तव ॥ साधि ॥ ॥ महाज्ञानः
वाक् ॥ अथादि ॥ ऊक्तमानस्य ऊक्तयुम्बानां ऊक्तमानस्य
धर्म ॥ अष्टिसगनयत्रिवावस्य ॥ आयुश्चात्राय कामना

र्थ ॥ यथासासुगना ॥ लसपाय कामनार्थ ॥ हगवींश्रीवि
कर्मवच ॥ वत्रवात्रादि रुढानकस्य कनसाचन ॥ वतुदेवण
संपूर्णकात्रसाधनमात्माह गिरुह निमित्तकथं वृद्धं गिरा
दुक्तिरुद्धय ॥ गीतकात्रयि ॥ धनत्राकृष्टय ॥ विन्दुविय
त्वेनदावमात्माह गिरिविय ॥ हनार्थवमात्रिदाय ॥ यणः

हाय ॥ गीतु कलित वज्रानलः अथवा ययं जयं वा ॥ यं वा
साति अहं निविद्य ॥ यजामुगी ॥ गीतु हं हं देह ॥ हिसक
सिद्धाय धूनकाव ॥ धन यु इम समय समय धूनकाव ॥
सिद्धायुनि धः युय धना हा कयनी ॥ धन सिद्धाह निविद्य ॥
धन विविध थ य ध्मा ~~नमः~~ नै दे सा दे सिद्धाय ॥ ॥ सान

कनक गुरु यज ॥ दक्षिण ॥ दगु समय ॥ गन चक्र धू
मागति ॥ ॐ निनीगया क्रिया ॥ ॐ ॥ ॥ सति देह ॥ यना वि
धि ॥ सूर्या ब गन या गार्धः यज रं स ह यय कः गुरु मन्त्र सः
दगुनी यययः कनक व्यास ॥ अग्नि धायनः प्रथमा हं हं की
ति ज्ञानाहनी ॥ देव यज देव गहनी ॥ धन देवः

सिद्धि ॥ ॐ नमः श्रीगुरुसत्सय ॥ नमो देवसानयुजाकव
नयार्थमंदिरियोगमयसुजमाडनयानीयत्यदं जयनः
नमस्तथागिनीनक्रवनाः सकानवीजसृष्टिगिदलालः
यस्यैव हेतुवाजीमूतनामः श्रीरघुवृक्षवसिष्ठारव
सिद्धयैवैवठाकः सर्वनीथिववासयुयुजयनः विदुदसद्य

काद्यासि धृतराजाननिर्दगचंद्रावर्षदवीधूमनय
वनमाम्ने ॥ ॐ नमः हायक ॥ ॐ श्रीगुरुमहाभक्तवी
द्यसायद्रुद्रस्त्राहा ॥ धृय ॥ ॐ सुजागानीसिद्धिवाक्यव
ननरसिद्धद्रुद्रस्त्राहा ॥ याद्यादिः प्रथम्यास ॥ ॐ रुद्र
सिद्धिचंदनमस्त्राहा ॥ ॐ गुरुद्रायनमस्त्राहा ॥ मकार

यनमस्तुहा ॥ ईश्वरामनमस्तुहा ॥ इदिकायनमस्तुहा ॥
दियप्रियनीनमस्तुहा ॥ इरुटनमस्तुहा ॥ इडायनमस्तु
हा ॥ इडवनीयनमस्तुहा ॥ इडिकायनमस्तुहा ॥ इडन्य
नमस्तुहा ॥ इडा नास्याद्यथावादनमस्तुहा ॥ मासन्वे
सुसंकासः खरुशगकविद्रुककामनूयामहादवीउम

इडायनमस्तुहा ॥ इति ॥ ईश्वरामनमस्तुहा ॥ इडिकायनमस्तुहा ॥
इडावहः ॥ उगैवकसविचूयाउ उगयागैववहइद्रुसहं उह
सहावसियुगीगुऊ शहहयवश्चरखाहि शिवुहै नवमून
वसिगुऊ शहीहंरगस्तुहा ॥ धनधमदनकः धनमनियत नियोजन
मकरगानयाः सगवनलायः वगलायः स्वयनमिचक ॥ सिद्धा

धनदग्गुड सिकाय॥

रुगी विव्य॥ धनजप्रयं कौय सिकाय युजा॥ दग्गुनी वसि विव्य
॥ खान के गाकः गुर्युजाः दयिनाः निसत्रा काय॥ डासन क
यः डमायनः कनसा रिथ्य क॥ असि वाग सुग्वन॥ समय वि
य नव सु॥ दस वसि चय॥ सखा रुगी विव्य॥ डमायन वि स
जन॥ धन कनस डाय॥ ववा हान थ धन काय धन चाय॥

मं नुस सायन नि थजा का वनः वाड नसदि न॥ वयून कयस॥
ॐ नाययान वव्य क नुय वा॥ नाहा काय धस नाग धी नय
सि हाव्याव कूमसि पूजा॥ गनय क धूम मल्ली॥ ॐ वाच व
इसि मे मउ उ कर्म विवि स माय॥ ॥ ॐ ॥